

**पड़ना** अ.क्रि. (देश.) 1. गिरना, पतित होना 2. किसी चीज या वस्तु का डालना या पहुँचाया जाना यथा- दाल में नमक पड़ना, कान या आँख के दवा पड़ना, पेटिका में मत पड़ना, कूड़ेदान में कूड़ा पड़ना आदि 3. बाहर से आकर किसी वस्तु का प्रवेश करना, या गिरना यथा- आँख में मच्छर गिर पड़ना, दूध में मक्खी पड़ना 4. किसी प्रकार का बाहरी आघात होना, वार होना, यथा- थप्पड़ पड़ना, लात पड़ना, घूँसा पड़ना लाठी पड़ना आदि 5. किसी एक चीज का दूसरी चीज पर आच्छादित होना; फैलाया जाना, बिछाया जाना यथा- दीवारों पर छत पड़ना, कमरे में पलंग पड़ना 6. अचानक किसी वस्तु या स्थिति का आना या प्राप्त होना; यथा- भयंकर गरमी पड़ना, बरफ पड़ना, बादलों से मूसलाधार पानी पड़ना, पाला पड़ना 7. अवांछित या कष्टदायक घटना का घटित होना, विकट स्थिति आ जाना यथा- बला टूट पड़ना, विपदा गले पड़ना, डाका पड़ना, अकाल पड़ना 8. एक स्थान से उछलकर या गिरकर दूसरे स्थान पर गिरना जैसे- जमीन पर गिर पड़ना; सिर पर पत्थर पड़ना, कपड़ों पर छींटे पड़ना आदि 9. किसी मसले या मामले के बीच आना या पड़ना; यथा- किसी के आपसी मामले में पड़ना, नहीं पड़ना 10. किसी एक स्थान पर कुछ समय तक स्थित रहना या रखे रहना यथा- पुस्तक महीनों से यहीं पड़ी है, सैकड़ों लोग ऐसे पड़े हैं जो मूलभूत सुख-सुविधाओं से दूर हैं 11. किसी दायित्व का बोझ आ पड़ना यथा- घर की पूरी जिम्मेदारी मुझ पर आ पड़ी है 12. विश्राम हेतु लेटे रहना, सोना या पड़े रहना यथा- कुछ समय आराम से पड़े रहो, ठीक हो जाओगे दिन भर पड़े रहते हो, कुछ करते क्यों नहीं 13. बीमार होना; खाट पर पड़ना यथा- पूरे एक माह से आप खाट पर पड़े हैं, अब धीरे-धीरे उठिए 14. मिलना, प्राप्त होना यथा- जब तक मेरा कार्य पूरा नहीं हो जाएगा, मुझे चैन नह पड़ेगा 15. राह में मिलना, आन पड़ना यथा- इसी राह पर आगे चार नदियाँ पड़ेंगी 16. उत्पन्न होना, पैदा होना यथा- फल में कीड़े पड़ना, बाग में डेरा पड़ना, जन्म कुंडली

के सातवें घर में मंगल पड़ना 17. डालना यथा- पेड़ों पर झूले पड़ना 18. संयोगवश होना यथा- अचानक मुझे उनसे काम आन पड़ा, मौका आन पड़ा है कि मेरा उससे पाला पड़ा, तब जात हुआ 19. पाया जाना; ठहरना यथा- ढीला पड़ना, नरम पड़ना, ढंडा पड़ना आदि 20. इच्छा होना यथा- तुम्हें क्या पड़ी है कि उसके लिए तुम मरे जा रहे हो 21. किसी कार्य, चीज या बात का ऐसी स्थिति में पड़े रहना कि उसका आवश्यक या उचित उपयोग न हो रहा हो यथा- लगभग पूरा ही काम बाकी पड़ा है, पूरा का पूरा मकान खाली पड़ा है, बरसों से मामला लटका पड़ा है 22. किसी प्रकार की विशेष आवश्यकता या प्रयोजन होना यथा- जब गरज पड़ेगी, अपने आप आएगा 23. उत्कट इच्छा या अभिलाषा प्रकट करना, यथा- तुझे तो बस सिनेमा देखने की पड़ी है।

**पड़नाना** पुं. (देश.) दे. परनाना; नाना के पिता।

**पड़पड़** स्त्री. (अनु.) 1. निरंतर पड़-पड़ शब्द होना 2. दे. पट-पट।

**पड़पड़ाना** अ.क्रि. (अनु.) 1. 'पड़पड़' शब्द होना 2. पड़पड़ शब्द उत्पन्न करना 3. मिर्च, सोंठ आदि कड़वे पदार्थों के संस्पर्श से जिह्वा पर कड़ुवेपन का या जलने का अनुभव होना; चरपराना यथा- ऐसा मिर्ची वाला खाना खिलाया कि जीभ पड़पड़ा रही है।

**पड़पड़ाहट** स्त्री. (देश.) 1. पड़पड़ाने की क्रिया या भाव 2. तीखी वस्तुओं के स्पर्श या खाने से जीभ का जलने सा लगना यथा- ऐसी तीखी मिर्च खा ली कि जीभ की पड़पड़ाहट अभी भी मिटी नहीं।

**पड़पोता** पुं. (देश.) 1. पुत्र का पोता या पोते का पुत्र, लड़के के लड़के (पौत्र) का बेटा, प्रपौत्र 2. दे. परपोता।

**पड़या** पुं. (देश.) 1. एक ऐसा धान जिसका छिलका वैसा का वैसा रहे किंतु उसके भीतर के दाने नष्ट हो गए हों, खोखला धान 2. पई कीड़ों द्वारा खा लिया गया धान।